

## किसानों ने सीखे जैविक खेती के गुण

जयपुर, 28 फरवरी, 2020।

“किसान अगर जैविक खेती अपनाता है तो आने वाले समय में उसकी आय दुगुनी हो सकती है।” उक्त विचार ‘कट्स’ द्वारा संचालित की जा रही ‘प्रो-ओर्गेनिक’ परियोजना के अन्तर्गत आयोजित कृषक प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम के दौरान निकलकर सामने आये।

‘कट्स’ द्वारा यह प्रशिक्षण 27 फरवरी, 2020 को किसान भवन, जयपुर में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. श्रीराम शर्मा ने ‘जैविक खेती के महत्व एवं आवश्यकता’ के बारे में विस्तार से बताया। ‘जैव तकनीक के द्वारा कीट एवं रोग प्रबन्धन’ पर पंत कृषि भवन के ए.आर.ओ. डॉ. गजेन्द्र शर्मा ने प्रकाश डाला। किसान कॉल सेंटर के एक्स सुपरवाइजर अमित शर्मा ने ‘जैविक खेती में मृदा एवं खरपतवार प्रबन्धन’ के महत्व को बताया। दूरदर्शन कृषि कार्यक्रम निर्माता वीरेन्द्र परिहार ने जैविक किसानों की सफलता की गाथाएं बताई और साथ ही जैविक कृषि योजनाओं और कृषि मीडिया पर प्रकाश डाला।

सभी विषय विशेषज्ञों की आम राय यह थी कि आधुनिक कृषि में उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक खाद और कीटनाशक का उपयोग अत्यधिक किया जा रहा है, इससे न केवल पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, बल्कि खाद्य पदार्थ भी जहरीले हो रहे हैं। आज हमें सतत कृषि की ओर बढ़ना होगा, जिसमें हम प्राकृतिक स्रोतों को उपयोग में ले सकें। हमारा देश कृषि प्रधान है, और समय आ गया है कि जैविक खेती का प्रचार-प्रसार और इसके प्रति जागरूकता को बढ़ाना चाहिए।

किसानों को अगले दिन नारड्या कृषि फार्म, तूंगा (बस्सी) में भ्रमण करवाया गया, जहां पर किसानों ने जैविक खेती के बारे में बारीकी से जानकारी ली। किसानों ने जैविक खेती से सम्बन्धित शोध कार्यों का अवलोकन किया तथा वर्मी कम्पोस्ट यूनिट, अजोला यूनिट, उद्यान नर्सरी समन्वित कृषि प्रणाली आदि का अवलोकन किया।

कार्यक्रम में जयपुर जिले के 50 किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

*अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:*

**दीपक सक्सेना (97999 96095) / राजदीप पारीक (94616 70755)**

‘कट्स’ सेंटर फॉर कन्ज्यूमर एक्शन, रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग

डी- 218, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर- 302 016, भारत

दूरभाष: 91-5133259, 2282821 / 2282482 फैक्स: 91-141-4015395

ईमेल: [ds@cuts.org](mailto:ds@cuts.org) ; [rdp@cuts.org](mailto:rdp@cuts.org) वेबसाइट: <http://www.cuts-international.org>